SWAMI VIVEKANANDA MAHILA MAHAVIDHYALAYA, ROOPANGARH

FACULTY NAME :	MS.FARAH
COURSE :	BA II YEAR
PAPER :	INDIAN POLITICAL SYSTEM
SUBJECT :	POLITICAL SCIENCE
UNIT :	I
CHAPTER NAME :	NATIONAL MOVEMENT
SESSION NAME :	MODERATES

सा विद्या या विमुक्तये

SVMM
Roopangarh

पुनरावलोकन (RECAP)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उत्पत्ति के कारण
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप

सत्र रूपरेखा (SESSION AGENDA)

- राष्ट्रीय आंदोलन की उदारवादी प्रवृत्ति
- उदारवादियों की नीतियां और कार्य पद्धति
- प्रमुख उदारवादी नेता

शिक्षण उद्देश्य (TEACHING OBJECTIVE)

- छात्राएं राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझ सकेंगी |
- उदारवादी नेताओं की कार्यप्रणाली से अवगत हो सकेंगी |

उदारवादी चरण

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में 1885 से 1905 तक का काल उदारवादी युग कहलाता है | उदारवादी नेता ब्रिटिश जनता की जन्मजात न्याय प्रियता में गहरी आस्था रखते थे |

प्रमुख उदारवादी नेता

गोपाल कृष्ण गोखले

फिरोज शाह मेहता

सुरेंद्रनाथ बनर्जी

आनंद मोहन घोष

दादाभाई नौरोजी

उमेश चंद्र बनर्जी

उदारवादियों की नीतियां और कार्य पद्धति

- सरकार के प्रति निष्ठा
- पाश्चात्य शिक्षा तथा सभ्यता के पोषक
- अंग्रेजों की न्यायप्रियता में विश्वास
- ब्रिटेन के साथ संबंध भारत के हित में

उदारवादियों की नीतियां और कार्य पद्धति

- क्रमिक सुधार में विश्वास
- राजनीतिक स्वशासन की प्राप्ति
- सेवाओं में भारतीयकरण की मांग
- संवैधानिक साधनों में विश्वास

उदारवादियों की आलोचना

- पश्चिमी सभ्यता और संस्कृति में अधिक आस्था
- उदारवादियों के साधन प्रभावहीन
- आत्म त्याग की भावना का अभाव
- जनसंपर्क का अभाव

THANK YOU